

B. A. 5th Semester (General) Examination, 2020 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : SEC III**

Time : 2 Hours

Full Marks : 40

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

**বিভাগ-ক**

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু অষ্ট প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। 5×8=40  
(নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে আটটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- a) কেন কথং বা রাজকার্যং বাধ্যতে?  
(কে কিভাবে রাজকার্যে বাধা দেন?)
- b) 'প্রত্যাসন্নেহপি মরণে—' ইতি শ্লোকঃ ব্যাখ্যেয়ঃ।  
(প্রত্যাসন্নেহপি ইত্যাদি শ্লোকটি ব্যাখ্যা কর।)
- c) ব্যাধিনা পীড়্যমানোহপি—ইতি শ্লোকঃ ব্যাখ্যেয়ঃ।  
('ব্যাধিনা—ইত্যাদি' শ্লোকটি ব্যাখ্যা কর।)
- d) চতুর্থঃ চৌরঃ কথম্ আত্মানং রক্ষিতবান্?  
(চতুর্থ চোর কিভাবে রক্ষা পেয়েছিল?)
- e) ময়ি মৃতে কাচন মহতী বিদ্যা লোপং যাস্যতি—কা আসীৎ চৌরস্য মহতী বিদ্যা?  
(চোরের এই মহতী বিদ্যা কি ছিল?)
- f) নিবন্ধমেকং লিখত।  
(একটি নিবন্ধ লেখ)  
(i) প্রিয়ঃ দেশনেতা, (ii) বিবেকানন্দঃ।
- g) বিদ্যাপতিকৃতয়াঃ কথায়া নাম লিখত। কথায়াঃ নীতিবাক্যম্ উল্লিখ্যতাম্।  
(বিদ্যাপতি কৃত গল্পের নাম লেখ, গল্পের নীতিবাক্য উল্লেখ কর।)
- h) 'যুয়ং সর্বেহপি চৌরাঃ, কথমহমেকো মারণীয়াহস্মি'  
কঃ কান্ প্রতি ইদম্ উক্তবান্? বক্তুঃ পরিণামং বর্ণয়ত।  
(কে কার প্রতি এই উক্তি করেছিল? বক্তার পরিণাম বর্ণনা কর।)
- i) 'প্রত্যায়াতি যমদ্বারাৎ প্রতীকারপরো নরঃ'—ব্যাখ্যায়তাম্।  
(উক্তিটি ব্যাখ্যা করো)

- j) अस्ति दक्षिणाते जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरम्। अत्र अमरशक्तिर्नाम राजा बभूव। तस्य त्रयः पुत्राः परमदुर्मेधसः वसुशक्तिरुग्रशक्तिरनेकशक्तिश्चेति नामानो बभूवुः, अथ राजा तान् शास्त्रविमुखानालोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच—भोः, ज्ञातमेतद् भवद्विः यन्मैते पुत्राः शास्त्रविमुखा विवेकरहिताश्च तदेतान् पश्यतो मे महदपि राज्यं न सौख्यमावहति।

अनुच्छेदं पठित्वा अधोनिर्दिष्टं प्रश्नत्रयं समाधेयम्।

(पूर्वोक्तं अनुच्छेदं पाठं करे तिनति प्रश्नेर उत्तरं दाओ।)

(क) कुत्रासीत् महिलारोप्यम्?

(ख) राज्ञः अमरशक्तेः कति पुत्रा आसन्? के ते?

(ग) अमरशक्तिः सचिवान् किमुवाच?

अथवा

विभाग-ख

5×8=40

- a) चतुर्णां पञ्चितमूर्खाणां कथानकस्य उपदेशवाक्यान् उल्लिख्यताम्।  
(‘चतुर्णां पञ्चितमूर्खाणां कथा’ गल्ले कि उपदेश देओया हयेछे ता संक्षेपे वर्णना कर।)
- b) ‘चतुर्णां पञ्चितमूर्खाणां कथा’—इति नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत।  
(गल्लेर नाम-करणेर सार्थकता लेख।।)
- c) व्याख्या कार्या—महाजनो येन गतः स पश्चाः।  
(व्याख्या लेखो—महाजनो येन गतः स पश्चाः)।
- d) व्याख्या कार्या—सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः।  
(व्याख्या लेखो—सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः।)
- e) संक्षिप्ता टीका कार्या—हरिवंशः।  
(संक्षिप्तं टीका लेखो—हरिवंश)
- f) संक्षिप्ता टीका कार्या—श्रीमद्भगवद्गीता।  
(श्रीमद्भगवद्गीतार उपर संक्षिप्तं टीका लेख।)
- g) पण्डितस्तम् इति कथानकस्य संक्षिप्तः परिचयः प्रदेयः।  
(पण्डितस्तम् एहि ग्रन्थे सम्पर्के संक्षिप्तं टीका लेख)
- h) ‘रामायणम्’—इति महाकाव्यस्य रचनाकालः लिख्यताम्।  
(रामायणेर रचनाकाल सम्पर्के लेख)
- i) संस्कृतसाहित्ये महाभारतस्य प्रभावः लेखनीयः।  
(संस्कृत साहित्ये महाभारतेर प्रभाव सम्पर्के या जान लेख)
- j) संस्कृतसाहित्ये रामायणस्य प्रभावः लेखनीयः।  
(संस्कृत साहित्ये रामायणेर प्रभाव सम्पर्के या जान लेख)